



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 544]

नई दिल्ली, वृश्वार, अक्टूबर 18, 1989/प्रातिवन 26, 1911

No. 544] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 18, 1989/ASVINA 26, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वो जाती है जिससे इक यह अवगत संकलन के कथ में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

प्रधिकारिता

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1989

सा.का.नि. 902(अ).—खात्य अप्रमिश्रण निवारण नियम 1955 का और संशोधन करने के लिए कानूनी प्रारूप नियम जिन्हें केन्द्रीय सरकार खात्य अप्रमिश्रण निवारण अधिनियम 1954 (1954 का 37) की द्वारा 23 की उपचारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और केन्द्रीय खात्य मानक संमिति से परामर्श करने के पश्चात् बनाना चाहती है उक्त अधिनियम की खात्य 23 की उपचारा (1) की अप्रमिश्रण ऐसे सभी अधिकारियों की जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है जानकारी के लिए प्रकाशित लिए जाते हैं और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से जिसको उस राजपत्र की प्रतियों विसर्जने यह अधिकृता प्रकाशित की जाती है जनता को उपलब्ध कराई जाती है काट दिन की घटविधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो उक्त नियमों की बाबत इस प्रकार विनिर्दिष्ट कालावधि की समाप्ति के पूर्व किसी स्पष्टि से प्राप्त किए जाएं केन्द्रीय सरकार हारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप नियम

1. इन नियमों का संधिकृत नाम खात्य अप्रमिश्रण निवारण (संशोधन) नियम 1989 है।

2. खात्य अप्रमिश्रण निवारण नियम 1955 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में उक्त नियमों के नियम 20 में “और युह” शब्दों के स्थान पर जहां-जहां वे आते हैं निम्नलिखित शब्द रखे जाएँगे अर्थात्:—

3. “युह आपी और खात्य”।

3. नियम 42 में—

(क) उपनियम (अ) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात्
“(अ) खात्य के प्रत्येक पैकेज पर जिसमें मोनोसोडियम न्यूट्रोमेट मिला है निम्नलिखित लेबल होगा अर्थात्:—

— के इस पैकेज में मोनोसोडियम न्यूट्रोमेट मिला है।

यह बारह भास से कम ग्राम के अच्छों के उपयोग के लिए नहीं है।

(क) उपनियम (प) का लोप किया जाएगा।

(ग) उपनियम (यथा) (2) के स्वाम पर निम्नलिखित रक्षा जाएगा अर्थात्:—

“(यथा) (2) बायथ मधुकारक के रूप में विपणित किए गए एसपटेम (मेयिल एस्टर) के प्रत्येक फैक्ट्री पर निम्नलिखित नियम होंगा अर्थात्:—

(क) मधुमेह के गोंधयों के लिए हृत्रिम मधुकारक,

(ख) गर्वेश्वरी दिव्ययों और फैनिलकीटममेहियों के लिए नहीं।

(4) उक्त नियमों के नियम 62 में परस्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परस्तुक अन्तर्स्थापित किया जाएगा अर्थात्:—

“परन्तु यह और कि कैमियम, पेटाशियम, या सोडियम कोरोसाइडहाइड बी, घोड़े या सयोजन के साथ, जिसे कोरोसाइडहाइड के रूप में अधिक्षित किया गया है, 10 ग्रामीयाम/किलोग्राम से अतिक मात्रा में निवारित वापिन लवण में क्रिस्टल स्पॉटर्सों और प्रतिपिण्डिकों (एंटी कैर्किंग एंडेट) के रूप में उपयोग किया जा सकता।

(5) उक्त नियमों के परिशास्त ‘ब’ से:—

(क) मव क्र.16-14 के पश्चात् निम्नलिखित मव अन्तर्स्थापित की जाएगी अर्थात्:—

“क.16-15—फल जैली से ऐसा उत्पाद अमिप्रेन है जो जल छानकर या उसके विना फल या उसके टुकड़े उत्पादक, छान दृश्य और साफ रस का निष्कर्षण जीवी के साथ मिश्रित करके और मिश्रण को ऐसी अवध्या तक उत्पादकर जिस पर वह जैल के रूप में तहीं जाने गा, रियार किया गया हो। उत्पाद वरदशी अन्ती तरह से जमा हुए होंगा किन्तु अधिक कटोर नहीं होंगा और उसमें फल की मूल सुकाम होनी चाहिए।

इसमें जीवी डेक्सीज, इन्वर्ट जीवी या ड्रव ब्लूफोज, बैटी (हैं), मसाने, मधु, फल साफ और मुख्यचिकारक युक्त फल एक्सार्बिक अस्त्र सीट्रिक अस्त्र और परिरक्षी होंगे। यह हृत्रिम मधुकारकों से मुक्त होगा। इसमें किष्पत कोई चिह्न नहीं होंगे। इसमें नामित फल का कम से कम 45 प्रतिशत होगा। कुल विशेष ठोस मा.पा. 68 प्रतिशत से कम नहीं होगा। यह बायथ पारक सामग्री विरजित या विवरित या अन फल नामग्री से मुक्त होगा। उत्पाद साफ होगा और उसमें कोई वहन ब्लूट नहीं होगी।

क.16-16 अक्षार से ऐसी नियमिति अधिकृत है जो अच्छे साफ कर्जे या पर्याप्त रूप से पके फलों या अन्तर्स्थियों या दोनों के सम्मिश्रण से बनाई गई हो और कीटकर्ता या कर्कूदी से मुक्त हो।

इसमें फल और/या अन्तर्स्थिति और कोई द्रव अपवा अवैद्रव ऐसा वैकिंग माध्यम होगा जिसमें लवण गर्म मसाने और मसाने सहित निम्नलिखित सम्मिश्रण में से कोई या अधिक होंगे। अक्षार में याकू, लहसुन, अदरक, जीवी, गुड़, बायथ तेल, मसाना तेल, मरमों या उसका चूरा, अन्तर्स्थिति अन्तर्वस्तु, एमिकाइटाइड, इल्डी कार्नी मिर्च, ब्रेगल ग्राम, नींबू रस, हरी चिरंजे फेनेशीक, मिरका, सिटरम रस और पूर्वी फल होंगे।

1. नियमांश:—

(i) सिटरम रस या लवण जग्य में अक्षार समाधिष्ट करने वाले द्रव में लवण की प्रतिशतता, जब उसका उपयोग बड़े परिवर्कनकर्ता के रूप में किया जाए तो 10 प्रतिशत से कम नहीं होगी। जब अक्षार को सिटिक रस में पैक किया गया हो तो समाधिष्ट

करने वाले द्रव की अन्तर्स्थिता लीट्रक अस्त्र के रूप में परिवर्कित 2 प्रतिशत से कम नहीं होगी।

(ii) तेल में अक्षार: अनिम उत्पाद में फल या अन्तर्स्थित प्रतिशतता 60 प्रतिशत से कम नहीं होगी। अक्षार तेल से आबृत्त होगा जिससे अक्षार की अन्तर्वस्तु के उपर कम से कम 0.5 ग्राम की तेल की एक परत बन जाए अपवा अक्षार में तेल की प्रतिशतता 10 प्रतिशत से कम नहीं होगी।

प.16-17—सिरके में अक्षार: सिरके में अक्षार से ऐसी नियमिति अद्वितीय है जो अच्छे साफ कर्जे या पर्याप्त रूप में पके हुए ऐसे फलों या अन्तर्स्थित से बनाई गई हो जो कीट क्षति से फलकूदी से उत्पन्न हो जो अवण जल या सूखे लवण में अथवा लवणित और थुक्का स्टेक में प्राकृतिक किष्पत के साथ या उसके बिना संसाधित किया गया हो। इसमें जीवी मधुर्ण या फिसे हुए या अद्वे पिसे हुए ममाने, गुड़, फल, हरी और लाल मिर्च, अदरक और उत्पाद के लिए उपयोग करने वाली वस्तुएं होंगी। द्रव भाग की अन्तर्स्थिता भी प्रतिशतता एकस्टिक अस्त्र के रूप में परिवर्कित 2 प्रतिशत भार में कम नहीं होगी।

उत्पाद का कर्वण मार 60 प्रतिशत से कम नहीं होगा। अक्षार के द्रव भाग में जो मिरका है मसानों, लवण और जीवी से मिश्र बोर्ड अन्तर्वस्तु नहीं होगी। उत्पाद नलाईट स मूक्त होगा।

[म. पी. 15014/5/88-पी.एस (आर एंड एन)]

श्रीमती विनोदा राय, संयुक्त अधिक

टिप्पण आय अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 प्रथम बार भारत के राजपत्र के भाग 2, खंड 5 में का। नि. आ. 2106, लारीख 12-9-55 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उन्में निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया।—

- का.नि.आ. 1202 दिनांक 26-5-56
- का.नि.आ. 1687 दिनांक 28-7-56
- का.नि.आ. 2213 दिनांक 28-9-56 (प्रसाधारण)
- का.नि.आ. 2755 दिनांक 24-11-56
- उसमें किए गए और संशोधन भारत के राजपत्र के भाग 2, खंड 3, उप-खंड (1) में इस प्रकार प्रकाशित किए गए थे।—
- सा.का.नि. 514 दिनांक 28-6-58
- सा.का.नि. 1211 दिनांक 20-12-58
- सा.का.नि. 425 दिनांक 4-4-60
- सा.का.नि. 169 दिनांक 11-2-61
- सा.का.नि. 1134 दिनांक 16-9-63
- सा.का.नि. 1340 दिनांक 4-11-61
- सा.का.नि. 1564 दिनांक 24-11-62
- सा.का.नि. 1589 दिनांक 22-10-64
- सा.का.नि. 1814 दिनांक 11-12-65
- सा.का.नि. 74 दिनांक 3-1-66
- सा.का.नि. 382 दिनांक 19-3-66
- सा.का.नि. 1256 दिनांक 26-8-67
- सा.का.नि. 1533 दिनांक 24-8-68
- सा.का.नि. 2163 दिनांक 14-12-68 (मुद्रित)

19. मा.का.नि. 532 दिनांक 8-3-69
 20. मा.का.नि. 1764 दिनांक 26-7-69 (शुद्धिपत्र)
 21. मा.का.नि. 2068 दिनांक 30-8-69
 22. मा.का.नि. 1808 दिनांक 24-10-70
 23. मा.का.नि. 938 दिनांक 12-6-71
 24. मा.का.नि. 992 दिनांक 3-7-71
 25. मा.का.नि. 553 दिनांक 6-5-72
 26. मा.का.नि. 436(अ) दिनांक 10-10-72
 27. मा.का.नि. 133 दिनांक 10-2-73
 28. मा.का.नि. 205 दिनांक 23-2-74
 29. मा.का.नि. 850 दिनांक 12-7-75
 30. मा.का.नि. 508(अ) दिनांक 27-9-75
 31. मा.का.नि. 63 (अ) दिनांक 5-2-76
 32. मा.का.नि. 754 दिनांक 29-5-76
 33. मा.का.नि. 956 दिनांक 12-6-76
 34. मा.का.नि. 1417 दिनांक 2-10-76
 35. मा.का.नि. 4(अ) दिनांक 4-1-77
 36. मा.का.नि. 18(अ) दिनांक 15-1-77
 37. मा.का.नि. 651(अ) दिनांक 20-10-77
 38. मा.का.नि. 722(अ) दिनांक 5-12-77
 39. मा.का.नि. 775(अ) दिनांक 27-12-77
 40. मा.का.नि. 36(अ) दिनांक 21-1-78
 41. मा.का.नि. 70(अ) दिनांक 8-2-78
 42. मा.का.नि. 238(अ) दिनांक 20-4-78
 43. मा.का.नि. 393(अ) दिनांक 4-8-78
 44. मा.का.नि. 590(अ) दिनांक 23-12-78
 45. मा.का.नि. 55(अ) दिनांक 31-1-79
 46. मा.का.नि. 142(अ) दिनांक 16-3-79 (शुद्धिपत्र)
 47. मा.का.नि. 231(अ) दिनांक 6-4-79
 48. मा.का.नि. 423 दिनांक 30-6-79 (शुद्धिपत्र)
 49. मा.का.नि. 1043 दिनांक 11-8-79 (शुद्धिपत्र)
 50. मा.का.नि. 1210 दिनांक 29-9-79 (शुद्धिपत्र)
 51. मा.का.नि. 19(अ) दिनांक 28-1-80
 52. मा.का.नि. 243 दिनांक 1-3-80
 53. मा.का.नि. 244 दिनांक 1-3-80
 54. मा.का.नि. 996 दिनांक 8-9-80 (शुद्धिपत्र)
 55. मा.का.नि. 579(अ) दिनांक 13-10-80
 56. मा.का.नि. 652(अ) दिनांक 14-11-80
 57. मा.का.नि. 710(अ) दिनांक 22-12-80
 58. मा.का.नि. 23(अ) दिनांक 14-1-80
 59. मा.का.नि. 205(अ) दिनांक 25-3-81 (शुद्धिपत्र)
 60. मा.का.नि. 290(अ) दिनांक 13-4-81
 61. मा.का.नि. 444 दिनांक 2-5-81 (शुद्धिपत्र)
 62. मा.का.नि. 503(अ) दिनांक 1-9-81
 63. मा.का.नि. 891 दिनांक 3-10-81 (शुद्धिपत्र)
 64. मा.का.नि. 1056 दिनांक 5-12-81 (शुद्धिपत्र)
 65. मा.का.नि. 80 दिनांक 23-1-86 (शुद्धिपत्र)
 66. मा.का.नि. 44(अ) दिनांक 5-2-82
 67. मा.का.नि. 57(अ) दिनांक 11-2-82
 68. मा.का.नि. 245(अ) दिनांक 11-4-82
 69. मा.का.नि. 307(अ) दिनांक 3-4-82 (शुद्धिपत्र)
 70. मा.का.नि. 186 दिनांक 17-1-82 (शुद्धिपत्र)
 71. मा.का.नि. 422(अ) दिनांक 24-3-82
 72. मा.का.नि. 476 (अ) दिनांक 29-4-82
 73. मा.का.नि. 504(अ) दिनांक 20-7-82 (शुद्धिपत्र)
 74. मा.का.नि. 753(अ) दिनांक 11-12-82 (शुद्धिपत्र)
 75. मा.का.नि. 109(अ) दिनांक 26-2-83
 76. मा.का.नि. 249(अ) दिनांक 8-3-83
 77. मा.का.नि. 269(अ) दिनांक 16-3-83
 78. मा.का.नि. 283(अ) दिनांक 26-3-83
 79. मा.का.नि. 329(अ) दिनांक 14-4-83 (शुद्धिपत्र)
 80. मा.का.नि. 539(अ) दिनांक 1-7-83 (शुद्धिपत्र)
 81. मा.का.नि. 634 दिनांक 9-8-83 (शुद्धिपत्र)
 82. मा.का.नि. 743 (अ) दिनांक 8-10-83 (शुद्धिपत्र)
 83. मा.का.नि. 790(अ) दिनांक 10-10-83
 84. मा.का.नि. 803 (अ) दिनांक 27-10-83
 85. मा.का.नि. 816(अ) दिनांक 3-11-83
 86. मा.का.नि. 829(अ) दिनांक 7-11-83
 87. मा.का.नि. 848(अ) दिनांक 19-11-83
 88. मा.का.नि. 893(अ) दिनांक 17-12-83 (शुद्धिपत्र)
 89. मा.का.नि. 113 दिनांक 20-1-84 (शुद्धिपत्र)
 90. मा.का.नि. 500(अ) दिनांक 9-7-84
 91. मा.का.नि. 612(अ) दिनांक 18-8-84 (शुद्धिपत्र)
 92. मा.का.नि. 744(अ) दिनांक 27-10-84
 93. मा.का.नि. 764 (अ) दिनांक 15-11-84
 94. मा.का.नि. 3(अ) दिनांक 1-1-85
 95. मा.का.नि. 11(अ) दिनांक 4-1-85
 96. मा.का.नि. 142 (अ) दिनांक 8-3-85 (शुद्धिपत्र)
 97. मा.का.नि. 293 (अ) दिनांक 23-3-85
 98. मा.का.नि. 368(अ) दिनांक 18-4-85 (शुद्धिपत्र)
 99. मा.का.नि. 385(अ) दिनांक 29-4-85 (शुद्धिपत्र)
 100. मा.का.नि. 543 (अ) दिनांक 2-7-85
 101. मा.का.नि. 550(अ) दिनांक 4-7-85
 102. मा.का.नि. 587(अ) दिनांक 17-7-85 (शुद्धिपत्र)
 103. मा.का.नि. 603 (अ) दिनांक 24-7-85
 104. मा.का.नि. 745(अ) दिनांक 20-9-85
 105. मा.का.नि. 746(अ) दिनांक 20-9-85
 106. मा.का.नि. 748(अ) दिनांक 23-9-85 (शुद्धिपत्र)
 107. मा.का.नि. 892(अ) दिनांक 6-12-85
 108. मा.का.नि. 903(अ) दिनांक 17-12-85 (शुद्धिपत्र)
 109. मा.का.नि. 73 (अ) दिनांक 29-1-86
 110. मा.का.नि. 507(अ) दिनांक 19-3-86
 111. मा.का.नि. 724(अ) दिनांक 29-4-86 (शुद्धिपत्र)
 112. मा.का.नि. 851(अ) दिनांक 13-6-86
 113. मा.का.नि. 852(अ) दिनांक 13-6-86
 114. मा.का.नि. 910(अ) दिनांक 27-6-86
 115. मा.का.नि. 939(अ) दिनांक 9-7-86 (शुद्धिपत्र)

116. साकानि. 1008(म) विनांक 18-8-86 (शुद्धिपत्र)
 117. साकानि. 1149(म) विनांक 15-10-86 (शुद्धिपत्र)
 118. साकानि. 1207(म) विनांक 18-11-86 (शुद्धिपत्र)
 119. साकानि. 1228(म) विनांक 27-11-86
 120. सकानि. 12(म) विनांक 5-1-87
 121. साकानि. 28(म) विनांक 13-1-87 (शुद्धिपत्र)
 122. साकानि. 270(म) विनांक 2-3-87
 123. साकानि. 344(म) विनांक 31-3-87 (शुद्धिपत्र)
 124. साकानि. 422(म) विनांक 29-4-87 (शुद्धिपत्र)
 125. साकानि. 449(म) विनांक 29-4-87 (शुद्धिपत्र)
 126. साकानि. 500(म) विनांक 15-5-87 (शुद्धिपत्र)
 127. साकानि. 569(म) विनांक 12-6-87 (शुद्धिपत्र)
 128. साकानि. 840(म) विनांक 6-10-87 129
 129. साकानि. 900(म) विनांक 10-11-87
 130. साकानि. 916(म) विनांक 17-11-87
 131. साकानि. 917(म) विनांक 17-11-87
 132. साकानि. 918(म) विनांक 17-11-87 (शुद्धिपत्र)
 133. साकानि. 72(म) विनांक 3-2-88 (शुद्धिपत्र)
 134. साकानि. 73(म) विनांक 2-2-88 (शुद्धिपत्र)
 135. साकानि. 366(म) विनांक 23-2-88 (शुद्धिपत्र)
 136. साकानि. 367(म) विनांक 21-3-88
 137. साकानि. 437(म) विनांक 8-4-88
 138. साकानि. 436(म) विनांक 8-4-88
 139. साकानि. 454(म) विनांक 8-4-88
 140. साकानि. 618(म) विनांक 16-5-88
 141. साकानि. 855(म) विनांक 12-8-88
 142. साकानि. 856(म) विनांक 12-8-88
 143. साकानि. 924(म) विनांक 13-9-88 (शुद्धिपत्र)
 144. साकानि. 1081 (म) विनांक 17-11-88
 145. साकानि. 1157(म) विनांक 9-12-88
 146. साकानि. 42(म) विनांक 20-1-89 (शुद्धिपत्र)

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th October, 1989

G.S.R. 902 (E).—The following draft of certain rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954) and after consultation with the Central Committee for Food Standards, is hereby published as required by sub-section 1 of section 23 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby: and; notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said rules before the

expiry of the period so specified, will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

These rules may be called Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1989.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 20 of the said rules, for the word "and gur" wherever occurring, the following words shall be substituted, namely:—

"gur prepared coffee and prepared tea".

3. In rule 42.—

(a) for sub-rule (S), the following shall be substituted, namely:—

"(S) Every package of food, which contains Monosodium Glutamate shall bear the following label, namely:—

This package —— contains Monosodium Glutamate

UNFIT FOR INFANTS BELOW 12 MONTHS

(b) sub-rule (U) shall be omitted.

(c) for rule (ZZZ) (2), the following shall be substituted, namely:—

"(ZZZ) (2) — Every package of Aspartame (methyl ester) marketed as table top sweetener shall carry the following label, namely:—]

(a) Artificial Sweetener for diabetics;

(b) Not for pregnant women and Phenylketonurics.

4. In rule 62 of the said rules, after the proviso, the following proviso shall be inserted, namely:

"Provided further that calcium, potassium or sodium ferrocyanide may be used as crystal modifiers and anti-caking agent in vacuum evaporated salt in a quantity not exceeding 10 mg/kg singly or in combination expressed as ferrocyanide".

5. In Appendix 'B' of the said rules,—

(a) after item A.16.14, the following item shall be inserted, namely:—

"A.16.15—Fruit jelly means the product prepared by boiling the fruit or its pieces with or without water straining, mixing the strained and clear juice extract with sugar and boiling the mixture to a stage at which it will not set to form clear gel. The product shall be transparent well-set, but not too stiff and should have the original flavour of the fruit.

It may contain sugar, dextrose, invert sugar or liquid glucose, herbs, spices, honey, fruit essence and flavours, dried fruits, ascorbic acid, citric acid, and preservatives. It shall be free from artificial sweetening agents. It shall show no sign of fermentation. It shall not contain less than 45 per cent of the named fruit. Total soluble solids w/w shall not be less than 68 per cent. It shall be free from extraneous plant materials, bleached or discoloured or bruised fruit material. The product shall be clear and shall contain no burnt defects.

A.16.16—Pickles means the preparation made from sound clean, raw or sufficiently mature fruits or vegetables or a combination of both, free from insect damage or fungus attack.

It shall contain fruit and/or vegetable and a liquid or semi-solid packing medium consisting of two or more of the following combination with salt, spices and condiments. The pickle may contain onion, garlic, ginger, sugar, jaggery, edible oils, spices Oil, mustard seed oil powder, vegetable ingredients, asafoetida, turmeric pepper, bengal gram, lime juice, green chillies, fenugreek, vinegar, citrus juice and dried fruits.

1. Combinations:—

(i) Pickles in citrus juice or brine: The percentage of salt in the covering liquid shall be not less than 10 per cent when salt is used as a major preserving agent. When packed in citrus juice, acidity of the covering liquid shall be not less than 2 per cent calculated as citric acid.

(ii) Pickles in Oil: The fruit or vegetable percentage in the final product shall not be less than 60 per cent. The pickle shall be covered with oil so as to form a layer of not less than 0.5 gm above the contents or the percentage of oil in the pickle shall be not less than 10 percent.

A.16.17—Pickle in vinegar: Pickle in vinegar means the preparation from sound, clean, raw or sufficiently matured fruits or vegetable free from insect damage or fungus attack, which have been cured in brine or dry salt or salted and dried stack with or without natural fermentation. It shall contain vinegar. It may contain sugar, whole or ground or semi-ground, spices, dried fruits, green and red chillies, ginger and other ingredients suitable to the product. The percentage of acidity of the fluid portion shall be not less than 2 per cent weight/weight calculated as acetic acid.

The drained weight of the product shall be not less than 60 per cent. The fluid portion of the pickle which is vinegar shall not contain any ingredients other than spices, salt and sugar. The product shall be free from sediments."

[No. P.15014/5/88-PH(F&N)]

VINEETA RAI, Jr. Secy.

Note : The prevention of Food Adulteration rules 1955 were first published in Part II Section 3 of the Gazette of India vide S.R.O. 2106 dated 12-9-55 and subsequently amended as follows by:—

1. S.R.O. 1202 dt. 26-5-56
2. S.R.O. 1687 dt. 28-7-56
3. S.R.O. 2213 dt. 28-9-56 (Extraordinary)
4. S.R.O. 2755 dt. 24-11-56

The further amendments were published in Part II, Section 3 sub-section (i) of Gazette of India as follows by:—

5. G.S.R. 514 dt. 28-6-58
6. G.S.R. 1211 dt. 20-12-58
7. G.S.R. 425 dt. 4-4-60
8. G.S.R. 169 dt. 11-2-61
9. G.S.R. 1134 dt. 16-9-61
10. G.S.R. 1340 dt. 4-11-61
11. G.S.R. 1564 dt. 24-11-62
12. G.S.R. 1589 dt. 22-10-64
13. G.S.R. 1814 dt. 11-12-65
14. G.S.R. 74 dt. 8-1-66
15. G.S.R. 382 dt. 19-3-66
16. G.S.R. 1256 dt. 26-8-67
17. G.S.R. 1533 dt. 24-8-68

18. G.S.R. 2163 dt. 14-12-68 (Corrigendum)
19. G.S.R. 532 dt. 8-3-69
20. G.S.R. 1764 dt. 26-7-69 (Corrigendum)
21. G.S.R. 2068 dt. 30-8-69
22. G.S.R. 1808 dt. 24-10-70
23. G.S.R. 938 dt. 12-6-71
24. G.S.R. 992 dt. 3-7-71
25. G.S.R. 553 dt. 6-5-72
26. G.S.R. 436 (E) dt. 10-10-72
27. G.S.R. 133 dt. 10-2-73
28. G.S.R. 205 dt. 23-2-74
29. G.S.R. 850 dt. 12-7-75
30. G.S.R. 508 (E), dt. 27-9-75
31. G.S.R. 63(E) dt. 5-2-76
32. G.S.R. 754 dt. 29-5-76
33. G.S.R. 755 dt. 29-5-76
34. G.S.R. 856 dt. 12-6-76
35. G.S.R. 1417 dt. 2-10-76
36. G.S.R. 4(E) dt. 4-1-77
37. G.S.R. 18(E) dt. 15-1-77
38. G.S.R. 651(E) dt. 20-10-77
39. G.S.R. 732 (E) dt. 5-12-77
40. G.S.R. 773(E) dt. 27-12-77
41. G.S.R. 36(E) dt. 21-1-78
42. G.S.R. 70(E) dt. 8-2-78
43. G.S.R. 238(E) dt. 20-4-78
44. G.S.R. 373 (E) dt. 4-8-78
45. G.S.R. 590 (E) dt. 23-12-78
46. G.S.R. 53(E) dt. 31-1-79
47. S.O. 142 (E) dt. 16-3-79 (Corrigendum)
48. G.S.R. 231 (E), dt. 6-4-79
49. G.S.R. 1043 dt. 11-8-79 (Corrigendum)
50. G.S.R. 1210 dt. 29-9-79 (Corrigendum)
51. G.S.R. 19 (E) dt. 28-1-80
52. G.S.R. 243 dt. 1-3-80
53. G.S.R. 244 dt. 1-3-80
54. G.S.R. 996 dt. 27-9-80 (Corrigendum)
55. G.S.R. 579 (E) dt. 13-10-80
56. G.S.R. 652 (E) dt. 14-11-80
57. G.S.R. 710 (E) dt. 22-12-80
58. G.S.R. 23 (E) dt. 16-1-81
59. G.S.R. 205 (E) dt. 25-3-81 (Corrigendum)
60. G.S.R. 290 (E) dt. 13-4-81
61. G.S.R. 444 dt. 2-5-81 (Corrigendum)
62. G.S.R. 503 (E) dt. 1-9-81
63. G.S.R. 891 dt. 3-10-81 (Corrigendum)
64. G.S.R. 1056 dt. 5-12-81 (Corrigendum)
65. G.S.R. 80 dt. 23-1-82 (Corrigendum)
66. G.S.R. 44 (E) dt. 5-2-82
67. G.S.R. 57 (E) dt. 11-2-82
68. G.S.R. 245 (E) dt. 11-3-82
69. G.S.R. 307 (E) dt. 3-4-82 (Corrigendum)
70. G.S.R. 386 dt. 17-4-82 (Corrigendum)
71. G.S.R. 422 (E) dt. 24-5-82
72. G.S.R. 476 (E) dt. 29-6-82
73. G.S.R. 504 (E) dt. 20-7-82 (Corrigendum)

74. G.S.R. 753 (E) dt. 11-12-82 (Corrigendum)
 75. G.S.R. 109 (E) dt. 26-2-83
 76. G.S.R. 249 (E) dt. 8-3-83
 77. G.S.R. 268 (E) dt. 16-3-83
 78. G.S.R. 283 (E) dt. 26-3-83
 79. G.S.R. 329 (E) dt. 14-4-83 (Corrigendum)
 80. G.S.R. 539 (E) dt. 1-7-83 (Corrigendum)
 81. G.S.R. 634 dt. 9-8-83 (Corrigendum)
 82. G.S.R. 743 dt. 8-10-83 (Corrigendum)
 83. G.S.R. 790 (E) dt. 10-10-83
 84. G.S.R. 803 (E) dt. 27-10-83
 85. G.S.R. 816 (E) dt. 3-11-83
 86. G.S.R. 829 (E) dt. 7-11-83
 87. G.S.R. 848 (E) dt. 19-11-83
 88. G.S.R. 893 (E) dt. 17-12-83 (Corrigendum)
 89. G.S.R. 113 dt. 20-1-84 (Corrigendum)
 90. G.S.R. 500 (E) dt. 9-7-84
 91. G.S.R. 612 (E) dt. 18-8-84 (Corrigendum)
 92. G.S.R. 744 (E) dt. 27-10-84
 93. G.S.R. 764 (E) dt. 15-11-84
 94. G.S.R. 3(E) dt. 1-1-85
 95. G.S.R. 11 (E) dt. 4-1-85
 96. G.S.R. 142 (E) dt. 8-3-85 (Corrigendum)
 97. G.S.R. 293 (E) dt. 23-3-85
 98. G.S.R. 363 (E) dt. 18-4-85 (Corrigendum)
 99. G.S.R. 385 (E) dt. 29-4-85 (Corrigendum)
 100. G.S.R. 543 (E) dt. 2-7-85
 101. G.S.R. 550(E) dt. 4-7-85
 102. G.S.R. 587 (E) dt. 17-7-85 (Corrigendum)
 103. G.S.R. 605 (E) dt. 24-7-85
 104. G.S.R. 745 (E) dt. 20-9-85
 105. G.S.R. 746 (E) dt. 20-9-85
 106. G.S.R. 748 (E) dt. 23-9-85 (Corrigendum)
 107. G.S.R. 892 (E) dt. 6-12-85
 108. G.S.R. 903 (E) dt. 17-12-85 (Corrigendum)
 109. G.S.R. 73 (E) dt. 29-1-86
 110. G.S.R. 507(E) dt. 19-3-86
 111. G.S.R. 724 (E) dt. 29-4-86 (Corrigendum)
 112. G.S.R. 851 (E) dt. 13-6-86
 113. G.S.R. 852 (E) dt. 13-6-86
 114. G.S.R. 910 (E) dt. 27-6-86
 115. G.S.R. 939 (E) dt. 9-7-86 (Corrigendum)
 116. G.S.R. 1008 (E) dt. 18-8-86 (Corrigendum)
 117. G.S.R. 1149 (E) dt. 15-10-86 (Corrigendum)
 118. G.S.R. 1207 (E) dt. 18-11-86 (Corrigendum)
 119. G.S.R. 1228(E) dt. 27-11-86
 120. G.S.R. 12(E) dt. 5-1-87
 121. G.S.R. 28(E) dt. 13-1-87 (Corrigendum)
 122. G.S.R. 270 (E) dt. 2-3-87
 123. G.S.R. 344 (E) dt. 31-3-87 (Corrigendum)
 124. G.S.R. 422 (E) dt. 29-4-87 (Corrigendum)
 125. G.S.R. 449 (E) dt. 29-4-87 (Corrigendum)
 126. G.S.R. 500 (E) dt. 15-5-87 (Corrigendum)
 127. G.S.R. 569 (E) dt. 12-6-87 (Corrigendum)
 128. G.S.R. 840 (E) dt. 6-10-87
 129. G.S.R. 900 (E) dt. 10-11-87
 130. G.S.R. 916 (E) dt. 17-11-87
 131. G.S.R. 817 (E) dt. 17-11-87
 132. G.S.R. 918 (E) dt. 17-11-87 (Corrigendum)
 133. G.S.R. 72(E) dt. 3-2-88 (Corrigendum)
 134. G.S.R. 73 (E) dt. 3-2-88 (Corrigendum)
 135. G.S.R. 366(E) dt. 23-3-88 (Corrigendum)
 136. G.S.R. 367(E) dt. 23-3-88
 137. G.S.R. 437 (E) dt. 8-4-88
 138. G.S.R. 436 (E) dt. 8-4-88
 139. G.S.R. 454 (E) dt. 8-4-88
 140. G.S.R. 618 (E) dt. 16-5-88
 141. G.S.R. 855 (E) dt. 12-8-88
 142. G.S.R. 856 (E) dt. 12-8-88
 143. G.S.R. 924 (E) dt. 13-9-88 (Corrigendum)
 144. G.S.R. 1081 (E) dt. 17-11-88